सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 262 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 30 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

भारत सौ से भी अधिक समस्याओं वाला देश हो सकता है, लेकिन ये बिलियन सोलुशंस वाला देश भी है।
-कैलाश सत्यार्थी

इकाना में टीम इंडिया ने लगाया जीत... 7 | महाराष्ट्र में हीरा बनेगा सियासत का... 3 | भाजपा के प्रचार पर करेंगे करारा... 2

अखिलेश ने दिखायी पीडीए की ताकत हजारों लोगों के साथ उतरे सड़क पर

- मोदी व योगी सरकार को जमकर कोसा
- अपनी सरकार के दौरान कराए कार्यों को गिनाया
- सपा प्रमुख बोले- जो विकास के काम कराए वो अगड़ा
- निकाली साइकिल यात्रा, फिर घूमेगा देश में बदलाव का चक्का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

लखनऊ। यूपी में आगामी लोक सभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने आज लखनऊ में पीडीए साइकिल यात्रा की शुरुआत की। इससे पहले उन्होंने भाजपा सरकार को परोक्ष रूप से घेरा। उन्होंने हम विकास करते हैं वों दूसरों के विकास पर दावा करते हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बार लोकसभा चुनाव में अपने पीडीए फॉर्मूले (पीडीए) के दम पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

अपने इसी फॉर्मूले को धार देने के लिए सपा अध्यक्ष ने साइकिल यात्रा की शुरुआत किया। इस यात्रा की शुरुआत पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से शुरू होकर जनेश्वर मिश्र पार्क तक जाएगी। इस दौरान अखिलेश सपा समर्थकों के साथ साइकिल भी चला सकता हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के जरिए आगामी चुनाव के लिए अपना एजेंडा सेट करेंगे और कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। सपा की पीडीए यात्रा के दौरान पार्टी के कार्यकर्ता लोगों को सपा सरकार के काम और विकास कार्यों को गिनाएं। इस यात्रा के जरिए सपा करीब दो दर्जन लोकसभा सीटों को साधने की कोशिश में है। ये यात्रा लखनऊ से एक नवंबर को उन्नाव, कानपुर, कन्नौज होते हुए मैनपुरी जाएगी। सपा प्रमुख ने अपनी यात्रा को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि 'सामाजिक न्याय' होगा पक्का, जब घूमेगा बदलाव का चक्का!

इन जगहों से होकर गुजरी यात्रा

अखिलेश यादव की ये यात्रा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे शुरू होकर जनेश्वर मिश्र पार्क तक जाएगी। इस दौरान ये यात्रा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से कबीरपुर, इंदिरा नहर पुल, किसान पथ, खुर्दही बाजार, अमूल प्लांट, कैंसर हॉस्पिटल तिराहा, एचसीएल मुख्य गेट, पलासियो मॉल, इकाना स्टेडियम, मातृ शिशु अस्पताल लोहिया, पुलिस मुख्यालय, गोमदी नदी बंधा मार्ग से होते हुए राप्ती अपार्टमेंट, डीपीएस स्कूल, जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नं 7 होते हुए लक्ष्मी मार्केट से जनेश्वर मिश्र पार्क पर समाप्त होगी।

पूर्व सांसद के बेटे की मौत के जिम्मेदार सीएम योगी

उन्होंने कहा कि पीजीआई में पूर्व सांसद के बेटे की मौत के लिए डॉक्टर और स्टाफ जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए स्वयं मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं क्योंकि उन्होंने बजट ही नहीं दिया।

इकाना से बढ़ रही लखनऊ की अर्थव्यवस्था : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो विकास का काम करवाए वो अगड़ा है और जो उस काम पर सिर्फ फोटो खिंचवाए वो पिछड़ा है। हमने इतना शानदार स्टेडियम बनवाया इसलिए हम अगड़े हैं और जिसने कुछ नहीं कराया वह पिछड़ा है। अखिलेश यादव लखनऊ में होने वाली पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) साइकिल यात्रा के पहले पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश यादव भारत व इंग्लैंड के बीच इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले गए थे। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा था कि सपा ने लखनऊ में सिर्फ़ ये स्टेडियम ही नहीं बनाया है बल्कि लखनऊ के लोगों के लिए आय और व्यवसाय बढ़ाने का एक और नया रास्ता खोला है। इससे अप्रत्यक्ष-प्रत्यक्ष रूप से रोज़गार के लाखों अवसर पैदा हुए हैं, खेल-पर्यटन को नया बढ़ावा मिला है। होटल भरे हुए हैं, टैक्सी और खानपान के बिज़नेस के साथ-साथ लखनऊ की प्रसिद्ध चिकनकारी के सभी बाज़ार गुलज़ार हैं। साथ ही लखनऊ की तहज़ीब से पर्यटक दो-चार हो रहे हैं और इकाना स्टेडियम की खूबसूरती देखकर लोग कह रहे हैं । मुस्कुराइए कि आप इकाना में है!

मनीष सिसोदिया को लगा सुप्रीम झटका

- **दिल्ली शराब घोटाला :** अदालत ने जमानत देने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार (30 अक्टूबर) को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद सिसोदिया की तरफ से दायर की गई जमानत याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जरिए सिसोदिया के खिलाफ जांच किए जा रहे मामलों पर फैसला सुनाया है।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले कथित दिल्ली एक्साइज पॉलिसी और सिसोदिया के खिलाफ मामलों के संबंध में सीबीआई और ईडी से कई सवाल पूछे थे, सिसोदिया फरवरी से ही कथित शराब घोटाले में जेल में बंद हैं, सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में सिसोदिया की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। सिसोदिया ने अपने खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में जमानत मांगी है। इसमें से एक केस सीबीआई और दूसरा केस ईडी ने दायर किया है।

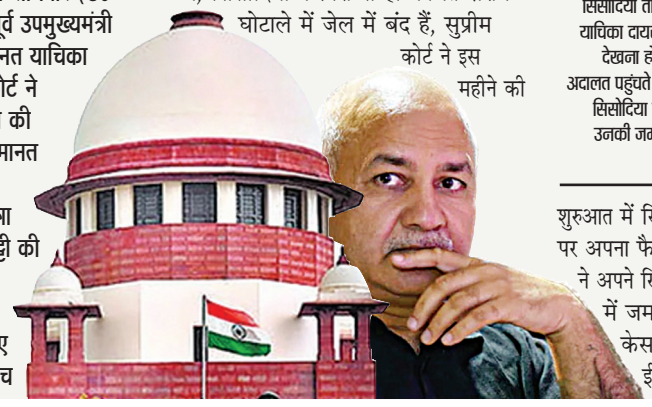

मुकदमे को 6 से 8 महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश

अदालत ने इस बात का निर्देश दिया है कि सिसोदिया के खिलाफ मुकदमे को 6 से 8 महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। अगर मुकदमे की प्रक्रिया धीमी रहती है, तो सिसोदिया तीन महीने के भीतर फिर से जमानत के लिए याचिका दायर करने के लिए हकदार होंगे। ऐसे में अब ये देखना होगा कि सिसोदिया क्या फिर तीन महीने बाद अदालत पहुंचते हैं। दरअसल, दिल्ली शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया फरवरी से ही जेल में हैं, 17 अक्टूबर को जब उनकी जमानत पर सुनवाई हुई, तो अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

गहलोत के बेटे वैभव से ईडी ने की पूछताछ

- दिल्ली दफ्तर पहुंचे, फेमा मामले में नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को ईडी ने फेमा के मामले में आज पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया है। वैभव ईडी ऑफिस में पहुंच गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने वैभव गहलोत को गुरुवार को समन जारी कर तलब किया था। आज सुबह 11 बजे वैभव को ईडी मुख्यालय में पेशी के लिए बुलाया गया था, जिसके लिए वह दिल्ली ईडी दफ्तर पहुंच चुके हैं। जांच एजेंसी ने पहले उनको शुक्रवार को तलब किया था लेकिन फिर पेशी का समय आगे बढ़ाकर 30 अक्टूबर कर दिया गया।

वैभव गहलोत ने किया ईडी के दावों का खंडन

रतन कांत शर्मा पर अब बंद हो चुकी कार रेंटल कंपनी सन लाइट कार रेंटल में वैभव गहलोत का बिजनेस पार्टनर होने का आरोप है। इससे पहले बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने आरोप लगाया था कि जयपुर के एक होटल का स्वामित्व ट्राइटन होटल्स के पास है। वहीं वैभव गहलोत ने ईडी के दावों का खंडन किया है। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि 12 साल पुराना आरोप है।

भाजपा के प्रचार पर करेंगे करारा प्रहार : सपा

» मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ बोलेंगे हल्ला

» नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक एक नवंबर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी भाजपा की मोदी व योगी सरकार के खिलाफ हल्लबोल अभियान शुरू करेगी। पूर्व सीएम व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश इस मद्देनजर जल्द ही एक बैठक करेंगे। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सपा ने भाजपा की नीतियों के खिलाफ हमले तेज करने का फैसला किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत प्रमुख पदाधिकारी एक नवंबर को होने वाली नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में जातीय जनगणना और पीडीए रणनीति के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें 300 से ज्यादा पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

सपा सूत्रों के मुताबिक प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने वाले पदाधिकारियों को भाजपा के वैचारिक प्रचार से निपटने के तौर-तरीके बताए जाएंगे। जातीय जनगणना के मुद्दे को गली-गली पहुंचाना क्यों जरूरी है, यह समझाया जाएगा। इसके साथ ही पीडीए यानी पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों पर फोकस करने की जरूरत भी बताई जाएगी। बूथ कमेटियों के गठन के साथ-साथ मतदाता सूची पर नजर रखने के लिए भी कहा जाएगा ताकि समाजवादी सोच के मतदाताओं का नाम सूची से न हट सके और ऐसे लोगों के नाम न जुड़ सकें, जो उस क्षेत्र में रहते नहीं हैं। इन मुद्दों को सिलसिलेवार अखिलेश यादव प्रदेश पदाधिकारियों के सामने रखेंगे।

इन सब तैयारियों के बीच भाजपा पर वैचारिक हमले तेज करने की रणनीति भी बनाई गई है, ताकि इसके जरिये जनता के बीच विभिन्न मुद्दों पर समाजवादी नजरिये को अधिक से अधिक फैलाया जा सके।

अखिलेश ने इंग्लैंड पर जीत की दी बधाई बोले- आगे भी जीतेगा इंडिया!

एक और अविस्मरणीय विजय!इंग्लैंड के विरुद्ध शानदार जीत की संपूर्ण देश वासियों को हार्दिक बधाई! सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन।भारतीय क्रिकेट टीम का विजय अभियान अविराम जारी रहे। जय हिंद! इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी जीत की बधाई दी। उन्होंने एक्स कर कहा कि इकाना बना इंडिया की ऐतिहासिक जीत का गवाह,आगे भी जीतेगा इंडिया! समस्त देश-प्रदेशवासियों को बधाई! वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वकप 2023 में इंग्लैंड पर 100 रन की शानदार जीत दर्ज करने के लिए टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने इसे एक अविस्मरणीय जीत करार दिया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा कि एक और अविस्मरणीय विजय! इंग्लैंड के विरुद्ध शानदार जीत की संपूर्ण देश वासियों को हार्दिक बधाई! सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन। भारतीय क्रिकेट टीम का विजय अभियान अविराम जारी रहे।

इकाना में दिखा सपा की बड़ी सोच का बड़ा नजारा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को इकाना स्टेडियम में मैच देखा। उन्होंने एक्स के जरिये कहा कि यह है सपा की बड़ी सोच का बड़ा नजारा। सपा सरकार ने लखनऊ में सिर्फ ये स्टेडियम ही नहीं बनाया है, बल्कि लखनऊ के लोगों के लिए आय और व्यवसाय बढ़ाने का एक और नया रास्ता खोला है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के लाखों अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि खेल-पर्यटन को नया बढ़ावा मिला है। होटल भरे हुए हैं, टैक्सी और खानपान के बिजनेस के साथ-साथ लखनऊ की प्रसिद्ध विकनकारी के सभी बाजार गुलजार हैं। साथ ही लखनऊ की तहजीब से पर्यटक दो-चार हो रहे हैं। इकाना स्टेडियम की खूबसूरती देखकर लोग कह रहे हैं-मुस्कराइए की आप इकाना में हैं।

कई नेताओं को चुनाव लड़ने की हरी झंडी

सपा लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि अखिलेश यादव ने लोकसभा क्षेत्र प्रभारी बनाए गए करीब 40 नेताओं को चुनाव लड़ने के लिए हरी झंडी दे दी है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक तौर पर कोई घोषणा नहीं की गई है। कई नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ने की हरी झंडी दिए जाने की पुष्टि सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी भी करते हैं, लेकिन साथ ही कहते हैं कि इससे अधिक खुलासा नेतृत्व से बात करके ही कर सकेंगे।

मध्य प्रदेश को मथेंगी मायावती

» विस चुनाव को लेकर पांच जिलों में 10 जनसभाएं करेंगी बसपा सुप्रीमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती मध्य प्रदेश चुनाव में पांच जिलों में 10 जनसभाओं को संबोधित करेंगी। बसपा की ओर से इसका कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मध्य प्रदेश के बसपा अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल के मुताबिक ये जनसभाएं निवाड़ी, छतरपुर, सतना, दतिया और भिंड में होंगी। बसपा सुप्रीमो छह नवंबर को निवाड़ी व अशोकनगर, सात नवंबर को छतरपुर व सागर दमोह, आठ नवंबर को सतना व रीवा, 10 नवंबर को दतिया व सेंवड़ा और 14 नवंबर को भिंड व मुरैना में जनसभा करेंगी।

मालूम रहे कि इससे पहले पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद मध्य प्रदेश में कई कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित कर चुके हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बसपा गोंडवाना समाज पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। बसपा ने मध्य प्रदेश चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों के नाम की घोषणा भी कर दी है। इनमें बसपा अध्यक्ष मायावती के अलावा उनके भाई आनंद कुमार, रामजी गौतम, आकाश आनंद, रमाकांत पिप्पल, श्रीकांत, मुकेश अहिरवार, भीम राजभर, रमेश डाबर, जियालाल अहिरवार, सुनील बघेल, रुस्तम सिंह, अच्छेलाल कुशवाहा, डीपी चौधरी, भगवती जाटव और भानुप्रताप सिंह गुर्जर समेत मप्र के तमाम नेताओं के नाम शामिल हैं।

पिछड़ों व दलितों की बढ़ेगी भागीदारी: कांग्रेस

» अध्यक्ष अजय राय हुए सक्रिय, वरिष्ठ नेताओं के लिए बनेगा मार्गदर्शन मंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी के अगले सप्ताह तक जारी होने की उम्मीद है। इसमें सामाजिक समीकरण की छाप दिखेगी तो युवाओं की भागीदारी भी नजर आएगी। इसमें विभिन्न जोन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नेताओं को प्रोन्नति भी मिलेगी। वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक की भूमिका में भी रखा जाएगा। कांग्रेस हाईकमान ने 17 अगस्त को पूर्व मंत्री अजय राय को प्रदेश की कमान सौंपी।

कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने कहा कि अगले माह तक प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर देंगे, लेकिन चंद दिनों बाद ही उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी। संगठन सचिव अनिल यादव सहित अन्य नेताओं के साथ उन्होंने जोनवार बैठक शुरू कर दी। इन बैठकों में पांच से सात जिलों के पदाधिकारियों को बुलाया गया। संयुक्त बैठक के बाद जिलेवार समीक्षा की और निरंतर सक्रि य रहने वालों की सूची तैयार की। पार्टी सूत्रों का कहना है कि ढाई महीने बाद जिलों से फीडबैक लेने के बाद प्रदेश कार्यकारिणी को अमली जामा पहना लिया गया है। कार्यकारिणी में पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों की भागीदारी बढ़ाई गई है। युवाओं को भी तवज्जो मिलेगी।

जल्द सामने आएगी प्रदेश कार्यकारिणी की सूची

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि प्रदेश कार्यकारिणी लगभग तैयार कर ली गई है, जल्द ही ये सार्वजनिक होगी। हमने संगठन सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों को साथ लेकर हर जोन में बैठक की। इन बैठकों में ऊर्जावान चेहरों को तलाशा। ऐसे कार्यकर्ताओं को प्रदेश कार्यकारिणी में जगह दी जाएगी। सक्रिय नेताओं को प्रोन्नति करके महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने की तैयारी है। सामाजिक समीकरण का पूरा ध्यान रखा गया है।

कार्यकारिणी में जोनवार संतुलन के साथ ही निरंतर सक्रिय रहने वालों को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी।

अभी तक सचिव व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में काम करने वाले सक्रिय नेताओं को पदोन्नति भी मिलेगी। कार्यकारिणी में जहां ऊर्जावान चेहरों को तवज्जो दी जा रही है, वहीं वरिष्ठ नेताओं के लिए मार्गदर्शन मंडल भी तैयार किया जा रहा है।

देश के सभी जिलों की हवा खराब : रीना गुप्ता

» बोलीं -मोदी सरकार नहीं उठा रही कदम

» प्रदूषण पर केंद्र और आप में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार वायु प्रदूषण से निपटने में सहयोग नहीं कर रही। आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता रीना गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2019 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि देश के 99.5 फीसदी जिलों में हवा खराब है, लेकिन मोदी सरकार ने अब तक इससे निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में रीना ने बताया कि वायु प्रदूषण से पूरे उत्तर भारत में लोगों का दम घुट रहा है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार के पास कोई कार्ययोजना नहीं है। विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 39 शहर हमारे देश से हैं। इनमें 20 शहर उत्तर प्रदेश के हैं। पूरे देश में एकमात्र दिल्ली की केजरीवाल सरकार है जो विंटर और समर एक्शन प्लान बनाकर वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कड़े कदम उठा रही है। इसी के परिणाम स्वरूप पिछले कुछ सालों में दिल्ली की हवा में 30 फीसदी का सुधार हुआ है। केंद्र की आईएमडी विभाग की वेबसाइट से पता चलता है कि दिल्ली में 70 फीसदी प्रदूषण बाहरी राज्यों से आ रहा हैं। जब पार्टी ने बाहरी राज्यों से दिल्ली में आ रहे प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आवाज उठाई तो केंद्र ने उस वेबसाइट पर आंकड़े देने बंद कर दिए। पार्टी की मांग है कि उत्तर भारत के सभी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय मीटिंग बुलाई जाए और सफर वेबसाइट पर आंकड़े देना शुरू किया जाए।

स्वाति मालीवाल ने पुलिस को जारी किया नोटिस

दिल्ली महिला आयोग ने इंटरनेट पर बेची जा रही हिंदू देवी-देवताओं की आपत्तिजनक तस्वीरों के संबंध में एक शिकायत पर कड़ा रूख अख्तियार किया है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। आयोग को शिकायतकर्ता ने बताया है कि कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं की अश्लील तस्वीरें ऑनलाइन बेच रहे हैं। आयोग के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे कुछ ईमेल प्राप्त हो रहे हैं, जिनमें देवी-देवताओं की कुछ तस्वीरें भी हैं, जिन्हें अश्लील तरीके से दर्शाया गया है। इस बारे में आयोग ने दिल्ली पुलिस को नोटिस करके इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों के विवरण के साथ एफआईआर की कॉपी मांगी है। इसके अलावा उक्त सामग्री को इंटरनेट से हटाने और इसे प्रचलन से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि यह कृत्य बेहद अपमानजनक है और इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है और समूहों के बीच दुश्मनी पैदा होती है। इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। आपत्तिजनक सामग्री को तुरंत इंटरनेट से हटाया जाना चाहिए।

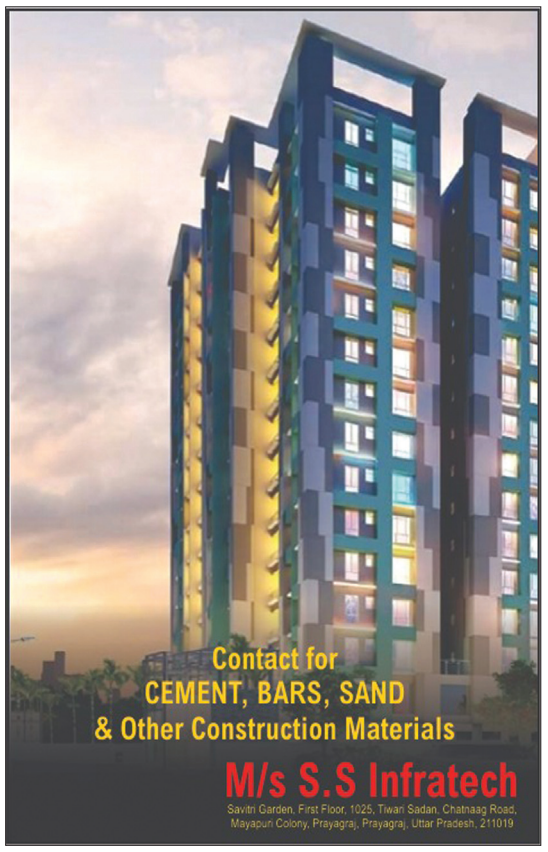

राजस्थान में रोड़े डालेगी बसपा

- भाजपा व कांग्रेस की राह नहीं आसान
- कई सीटों पर मायावती ने उतारे प्रत्याशी
- आरएलपी, आम आदमी पार्टी और आजाद पार्टी भी चुनौती बनी
- बसपा ने राज्य में बढ़ाई सक्रियता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में अबकी बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी दोनों की राह आसान नहीं होगी। इस बार बीजेपी और कांग्रेस के लिए आरएलपी, आम आदमी पार्टी और आजाद पार्टी भी चुनौती बनी हुई है। इधर, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी इस बार राजस्थान के चुनावी दंगल में है। इसको लेकर बहुजन समाजवादी पार्टी ने राजस्थान की 20 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इससे पहले बहुजन समाजवादी पार्टी ने 25 अक्टूबर को 4 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इस तरह पार्टी अब तक 56 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। बहुजन समाज पार्टी की ओर से बीते 25 अक्टूबर को जयपुर के सांगानेर, रामगढ़, बांदीकुई और कोटपूतली सीट पर अपने चार उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

इसके बाद बीएसपी ने 20 उम्मीदवारों और सूची जारी की है। इनमें मुंडावर से पृथ्वीराज, गोगुंदा से दलपत गरासिया, झाडोल से निंबाराम भील, सलूंबर से कन्हैया लाल मीणा, उदयपुर ग्रामीण से खेमराज कटारा, भीम से हुकमाराम, नाथद्वारा से बाबूलाल सालवी, कुंभलगढ़ से नारायण लाल, प्रतापगढ़ से कमल मीणा, आसपुर से दिलीप मीणा को टिकट दिया गया है। इसी तरह चौरासी से विजयपाल रोत, घाटोल से बापूलाल गणावा, गढ़ी से सूर्यलाल खाट, कुशलगढ़ से हरेंद्र निनामा, मारवाड़ जंक्शन से गजराज कंवर, भादरा से रामनाथ शर्मा, लाडनू से नियाज मोहम्मद, पोकरण से तुलसीराम, धोद से कालूराम मेहराडा और तारानगर से छोटूराम को अपना प्रत्याशी बनाया है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती के निर्देशानुसार राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 20 उम्मीदवार घोषित किए हैं।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार बहुजन समाज पार्टी भी काफी सक्रिय नजर आ रही है। बहुजन समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है। बसपा अब तक कुल 56 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। इनमें 21 अक्टूबर को बसपा ने अपनी पहली लिस्ट में 10 उम्मीदवारों की घोषणा की। इसके बाद 22 अक्टूबर को 22 उम्मीदवार, 25 को 4 उम्मीदवारों और अब 20 उम्मीदवारों की घोषणा की है। यानी अब तक बहुजन समाजवादी पार्टी राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों पर अपनी 56 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार चुकी है।

मप्र में सिंधिया को घेरने की तैयारी

- दिग्विजय बोले- शिवपुरी से उतर सकते हैं ज्योतिरादित्य
- इस वजह से केपी सिंह को दिया वहां से टिकट

गुना। शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के टिकट को लेकर बवाल मचा था। कोलारस विधायक वीरेंद्र रघुवंशी भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए थे। उन्हें टिकट देने का भरोसा दिया गया था। इसके बाद भी उनकी जगह पिछोर के विधायक केपी सिंह को शिवपुरी से टिकट दिया गया। इस पर सफाई देते हुए दिग्विजय सिंह ने खेद जताते हुए स्वीकार किया कि वीरेंद्र रघुवंशी को टिकट मिलना चाहिए था। अंतिम समय में यशोधरा राजे सिंधिया ने चुनाव लड़ने से मना किया। तब संभावना बन रही थी कि ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी से चुनाव लड़ सकते हैं। इस वजह से सबसे कद्दावर नेता केपी सिंह को पिछोर से शिवपुरी की सीट पर उतारना पड़ा। दिग्विजय ने यह भी दावा किया कि वीरेंद्र रघुवंशी कांग्रेस के साथ हैं। चुनाव में प्रचार भी करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कपड़े फाड़ने वाले बयान को दिग्विजय सिंह ने महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ और मेरा 40 साल पुराना दोस्ताना है। कमलनाथ को कपड़े फड़वाने और गाली खाने का अधिकार है। दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह ने अन्य प्रत्याशियों के साथ गुरुवार को नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर सिंह उनके साथ मौजूद रहे। सिंह ने गुना सीट पर भाजपा प्रत्याशी घोषित न होने पर आश्चर्य जताया। उन्होंने यह भी कहा कि वह ठाकुर परिवार में जरूर जन्मे हैं, लेकिन शुद्ध रूप से जैनी है। जैन समाज पर्यूषण पर्व के समापन पर क्षमा मांगता है। वह तो नियमित रूप से क्षमा याचना कर लेते हैं।

अपने लोकलुभावन वादों से गहलोत पलटेंगे बाजी

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 की जंग में फतह करने के लिए पार्टी का घोषणा पत्र काफी अहम है। इसी कड़ी में प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम अशोक गहलोत शुक्रवार दोपहर 12: 30 बजे कांग्रेस वार रूम में प्रेस कांफ्रेंस कर विधानसभा चुनावों के लिए अपनी 5 बड़ी गारंटी लॉन्च करने की घोषणा की है। अशोक गहलोत की इस लिस्ट में पहली गारंटी ओल्ड पेंशन स्कीम होगी। बता दें कि 2022 में गहलोत ने राजस्थान में न्यू पेंशन स्कीम की जगह ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू की थी। ऐसा करने वाला यह देश का पहला राज्य था। अब गहलोत गारंटी देंगे कि उनकी सरकार आती है तो ओपीएस जारी रखेंगे। दूसरी गारंटी फ्री लैपटॉप की है। हालांकि फ्री लैपटॉप की घोषणा गहलोत सरकार के इस कार्यकाल के बजट का हिस्सा थी। लेकिन यह योजना कागजों से आगे नहीं बढ़ी। अब गहलोत गारंटी देंगे कि सरकार आई तो सरकारी कॉलेज के छात्रों को फ्री लैपटॉप देंगे। तीसरी गौ धन पशु गारंटी है। यह गारंटी छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार लॉन्च कर चुकी है। अब गहलोत सरकार भी गांवों में पशुओं का गौबर और गौ मूत्र खरीदने की गारंटी भी देगी। इसी कड़ी में चौथा अंग्रेजी मीडियम स्कूल की गारंटी है। बता दें कि गहलोत सरकार ने प्रदेश भर में अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोलने की योजना लॉन्च की थी। अब इसे आगे बढ़ाकर पंचायत स्तर पर लागू करने की गारंटी देंगे गहलोत। पांचवी चिरंजीवी आपदा राहत है। बता दें कि गहलोत सरकार ने इस कार्यकाल में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लॉन्च की थी। इसमें प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा दिया जाता है। अब गहलोत इस योजना को आगे बढ़ाकर इसे आपदा राहत तक बढ़ाएंगे। आज राजस्थान में गारंटी का नाम कांग्रेस है, तरक्की का नाम कांग्रेस है, भरोसे का नाम कांग्रेस है। हर परिवार को पैसा मिलना चाहिए। विपक्ष कहता है कि प्रदेश दिवालिया हो जाएगा। हम इसकी गारंटी देते है कि राजस्थान दिवालिया नहीं होगा, क्योंकि हम लोगों ने सोच समझकर एक्सपर्ट की राय लेकर ये गारंटी बनाई है। गहलोत ने कहा कि लंदन के कुछ प्रोफेसर राजस्थान आये थे, इस गारंटी कार्ड स्कीम का अध्ययन करने। राजस्थान में स्कूलों की संख्या बढ़ाई जाएगी, इसके साथ ही और नए कॉलेज भी बनाएंगे। हमारी सरकार प्रदेश में आईटी पर भी जोर देगी। जिससे हमारे प्रदेश के बच्चे नई तकनीक सीख सके और आईटी की दुनिया को जान सकें।

बना है टिकट वितरण का फॉर्मूला

दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के टिकट वितरण पर कहा कि कमलनाथ ने तीन से चार एजेंसियों से सर्वे कराया था। एआईसीसी के बड़े नेता स्वयं क्षेत्रों में घूमे थे। 80 से 90 प्रतिशत टिकट सर्वे के आधार पर ही दिए गए हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा ने बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली से अपना कचरा साफ कर रहे हैं। भाजपा के पास हिंदू-मुसलमान के अलावा कुछ है नहीं। सनातन को मुद्दा बना रही भाजपा पर उन्होंने आक्रोश जताया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस समय पूरे प्रदेश में बदलाव की लहर है। कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। इस बार कांग्रेस ऊपर से नीचे तक नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर तक चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के बड़े पदाधिकारियों को उनके गृह क्षेत्र वाला बूथ जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। बाकायदा नाम लिखे जाएंगे। पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाएगी।

महाराष्ट्र में हीरा बनेगा सियासत का सिरमौर

- नवी मुंबई में बनेगा देश का सबसे बड़ा डायमंड क्लस्टर
- विपक्ष के हमले के बाद तेवर में उद्योग मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हीरा उद्योग को लेकर महाराष्ट्र में सियासत गरमा गई है। दरअसल, जल्द ही गुजरात में दुनिया की सबसे बड़ी हीरा की बिल्डिंग डायमंड बोर्स का आगाज होना है। इसको लेकर कांग्रेस ने बीजेपी को घेर लिया है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष ने कुछ दिन पहले कहा था कि महाराष्ट्र-मुंबई का हीरा उद्योग गुजरात चला जाएगा। इसी क्रम में महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने बड़ा बयान दिया है। सामंत ने कहा कि देश का सबसे बड़ा डायमंड कलस्टर नवी मुंबई में बनेगा। सामंत ने यह बयान कांग्रेस नेता नाना पटोले के उस बयान पर दिया है।

जिसमें उन्होंने कहा था यहां का हीरा उद्योग गुजरात चला जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग यानी सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी) के उद्घाटन की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है,

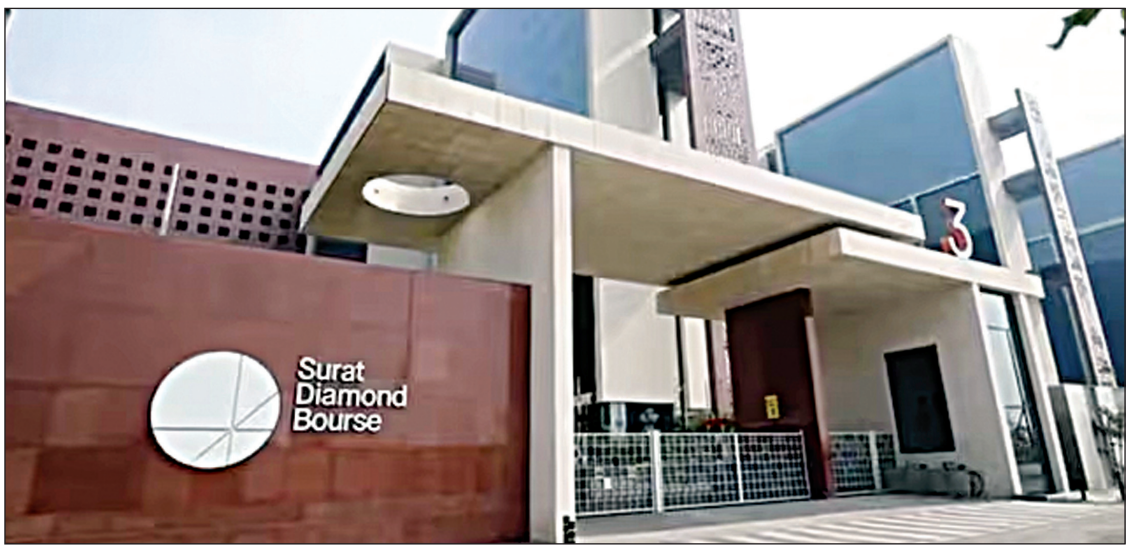

वैसे-वैसे गुजरात से लगे महाराष्ट्र की राजनीति गरमाती जा रही है। हीरा उद्योग को और मजबूत बनाने के लिए सूरत में इस विशाल बिल्डिंग का निर्माण किया गया है। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों का आरोप हैं कि इससे मुंबई का डायमंड मार्केट गुजरात शिफ्ट हो जाएगा। विपक्ष को आरोपों पर अब राज्य में उद्योग मंत्री उदय सामंत ने बड़ा बयान दिया है। उदय सामंत ने कहा है कि अगले साल तक देश का सबसे बड़ा हीरा केंद्र नवी मुंबई में स्थापित किया जाएगा। सामंत ने यवतमाल में कहा कि इसके लिए एक नीति तैयार है। सूरत डायमंड बोर्स की शुरुआत 17 दिसंबर को होगी। सूरत के डायमंड बोर्स में नवरात्रि में कलश स्थापना हुई थी। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं। देश का पहला 'डायमंड हब' (हीरा केन्द्र) नवी मुंबई में बन रहा है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और नीति तैयार है। अगले साल तक आप सभी देखेंगे कि देश का सबसे बड़ा डायमंड हब नवी मुंबई में है।

पटोले ने किया था मोदी पर वार

महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति (बीजेपी+शिवसेना और एनसीपी -अजीत गुट) डायमंड बिजनेस गुजरात जाने को लेकर विपक्ष के निशाने पर है। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के चीफ नाना पटोले ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के दौरे पर इसलिए आए हैं ताकि वे यहां के हीरा उद्योग को गुजरात ले जा सकें। यवतमाल में एक कार्यक्रम के दौरान जब राज्य के उद्योग मंत्री उदय सांवत से यह सामंत ने यह भी कहा कि पिछले तीन साल में कर्नाटक और गुजरात औद्योगिक क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर रहे, लेकिन राज्य में सरकार बदलने के बाद उद्योगपतियों को भरोसा हुआ कि यह सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी। एसबीआई के तिमाही सर्वेक्षण के अनुसार पिछले डेढ़ साल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में महाराष्ट्र शीर्ष स्थान पर रहा है। हीरा उद्योग के लिए देश के बीच शहरों मुंबई और सूरत के बीच प्रतिस्पर्धा रही है। यही वजह है कि जब सूरत में सूरत डायमंड बोर्स की शुरुआत हो रही है तो महाराष्ट्र में विपक्षी दल सरकार को निशाने पर ले रहे हैं और कह रहे हैं कि इससे तो हीरा उद्योग गुजरात चला जाएगा। विश्व के हीरा कारोबार के करीब 70-80 फीसदी भाग पर भारतीय का नियंत्रण है। सूरत डायमंड बोर्स में वन स्टॉप सॉल्यूशन के तहत वर्ल्ड क्लास की सुविधाएं मुहैया कराए जाने का प्रस्ताव है। सूरत डायमंड बोर्स का दूसरा चरण भी प्रस्तावित है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

युद्ध नहीं अब शांति की ओर बढ़ाएं कदम

इजरायल के जमीनी हमले के बाद से गाजा में भारी तबाही मच गई। इस लड़ाई में अब मासूम बच्चों समेत आम नागरिकों को जान गंवानी पड़ी है। पूरी दुनिया में इस हमले पर अब प्रतिक्रियाए आने लगीं हैं। दुनिया के सभी देश हमास के आतंकी हमले की आलोचना तो कर रही है साथ ही वह इसराइल की कार्रवाई से खफा हो रही है। इस मामले को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक विशेष बैठक की गई जिसमें 120 देशों ने भाग लिया, वहीं भारत समेत 45 देशों ने अपने को दूर रखा। उसमें सभी देशों ने आतंकी हमले की निंदा की पर लड़ाई के चलते आमजन की मौत पर दुख जताया है। इसराइल से जल्द से जल्द शांति लाने की अपील की है। वहीं हवाई और जमीनी हमले के बाद बड़े पैमाने पर जमीनी हमले के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया है। सेना ने पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों के साथ गाजा में अपने जमीनी अभियान का विस्तार कर रहा है।

रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा कि सेनाएं अभी भी युद्ध भूमि पर हैं और युद्ध जारी रखे हुए हैं। एक नया संकेत है कि इजरायल गाजा पर पूर्ण आक्रमण के करीब पहुंच रहा है। शुक्रवार देर रात, इजरायल सैन्य प्रवक्ता हगारी ने कहा था कि सेना गाजा में अपनी गतिविधि का विस्तार कर रही है और युद्ध के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बड़ी ताकत से काम कर रही है। इजराइल ने सीमा पर सैकड़ों-हजारों सैनिक जमा कर लिए हैं। सेना ने कहा कि शनिवार रात भर में युद्धक विमानों ने उत्तरी गाजा में 150 सुरंगों और भूमिगत बंकरों पर हमला किया। हमास के व्यापक भूमिगत प्रतिष्ठान, जो गाजा शहर के नीचे स्थित हैं, उसको हमले के प्रमुख लक्ष्य माना जा रहा है। बढ़ती बमबारी के बीच इजरायल ने संचार व्यवस्था भी बंद कर दी और सूचनाओं को लगभग ब्लैकआउट कर दिया, जिससे मोटे तौर पर घिरे गाजा में 2.3 मिलियन लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क कट गया है। कई हफ्ते पहले बिजली काट दिए जाने के अंधेरे में डूबे फलस्तीनी अलग-थलग हो गए हैं, भोजन और पानी की आपूर्ति खत्म हो जाने के कारण वे घरों और आश्रय स्थलों में दुबके हुए हैं। फलस्तीनी दूरसंचार प्रदाता, पल्टेल ने कहा कि बमबारी के कारण इंटरनेट, सेलुलर और लैंडलाइन सेवाएं पूरी तरह से बाधित हो गई है। गाजा के बाहर के रिश्तेदार उस समय घबरा गए जब अंदर के परिवारों के साथ उनकी मैसेजिंग चैट अचानक बंद हो गईं और कॉल आना बंद हो गईं। वेस्ट बैंक के रामल्लाह शहर में स्थित एक नारीवादी संगठन की निदेशक वफा अब्दुल रहमान ने कहा कि उन्हें मध्य गाजा में अपने परिवार से घंटों तक कोई बात नहीं मिली। उन्होंने हवाई हमलों का शिकार हुए परिवार का जिक्र करते हुए कहा, हम टीवी पर लाइव होने पर इन भयानक चीजों और नरसंहारों को देख रहे हैं।

> इसराइल से जल्द से जल्द शांति लाने की अपील की है। वहीं हवाई और जमीनी हमले के बाद बड़े पैमाने पर जमीनी हमले के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया है। सेना ने पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों के साथ गाजा में अपने जमीनी अभियान का विस्तार कर रहा है। रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा कि सेनाएं अभी भी युद्ध भूमि पर हैं और युद्ध जारी रखे हुए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ता की महत्वाकांक्षा से भरोसे को आंच

उमेश चतुर्वेदी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच विभिन्न राजनीतिक दलों में टिकट बंटवारे के मुद्दे पर 'इंडिया' गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल खड़े किय जा रहे हैं। इसकी वजह है, विशेषकर उत्तर और मध्य भारत के विधानसभा चुनावों में बिना सामंजस्य के उतरे विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बेशक सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के ही बीच है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे दलों की इन चुनावों में कोई भूमिका नहीं है। लेकिन कांग्रेस का इन चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन के दलों और उनके नेताओं के साथ जैसा व्यवहार है, उसके कुछ संकेत साफ हैं। संकेत यह कि कांग्रेस अपनी शर्तों पर इन दलों को मौका देगी और अगर उसे महसूस हुआ तो वह सहयोगी दलों के लिए मौका भी नहीं छोड़ेगी।

नि:संदेह, विपक्षी गठबंधन में सबसे बड़ा दल कांग्रेस है। उसका संगठन भी सबसे पुराना है। इस नाते उसका अगुआई का स्वाभाविक दावा भी बनता है। लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि जमीन पर उसकी वैसी पकड़ नहीं है, जैसी करीब तीन दशक पहले तक थी। दरअसल कांग्रेस यह हकीकत स्वीकार नहीं कर पा रही। हालांकि यही परिस्थितियां उसे गठबंधन के लिए मजबूर कर रही हैं। संख्याबल के लिहाज से विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी का दल सबसे बड़ा है। लेकिन वे गठबंधन की गतिविधियों में कम ही दिलचस्पी दिखा रही हैं। जाहिर है वे गठबंधन को बंगाल में उपयोग के हिसाब से तोल रही हैं। जनता दल यू भी बड़ा दल है। लेकिन असल में तो उसके सांसदों की संख्या भाजपा के साथ के चलते इतनी है। इस लिहाज से विपक्षी गठबंधन में समाजवादी पार्टी दूसरे नंबर का महत्वपूर्ण दल है। लोकसभा में उसके सांसदों की संख्या भले कम हो, लेकिन जनसंख्या और लोकसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में वही भाजपा के सीधे मुकाबले में है। ऐसे में समाजवादी पार्टी का गठबंधन में अहमियत की चाहत रखना स्वाभाविक है।

इसी के चलते अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में अपने लिए कुछ सीटों की उम्मीद रखी। लेकिन वहां कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ का बयान कि 'छोड़िए अखिलेश-वखिलेश को' एक तरह से समाजवादी पार्टी का

अपमान ही है। रही-सही कसर उत्तर प्रदेश के नवेले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पूरी कर दी। ऐसे में अखिलेश के रुख में परिवर्तन आया जिसका असर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में दिख रहा है। यहां समाजवादी पार्टी भी मैदान में है। शायद अखिलेश का हश्र देखकर ही आम आदमी पार्टी ने तीनों राज्यों में उम्मीदवार उतारे। मीडिया के कुछ समीक्षक आजकल यह स्थापित करने में जुटे हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष का पद दमदार तरीके से संभाल रहे हैं। लेकिन हकीकत में कांग्रेस पर नियंत्रण राहुल गांधी का ही है। चाहे नीतीश कुमार को किनारे रखना हो या फिर अखिलेश पर कांग्रेसी हमला हो, या फिर आम आदमी पार्टी की उपेक्षा हो, सबके पीछे उनकी ही सोच है। राहुल गांधी इन दिनों राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना की वकालत कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राज्यों में वादा कर रहे हैं कि जैसे ही उनकी सरकार बनी, पार्टी जाति जनगणना कराएगी। राजस्थान में तो ऐन चुनावों के बीच ऐसा ऐलान अशोक गहलोत ने कर भी दिया, जिसे चुनाव आयोग ने रोक दिया। सब जानते हैं कि जाति जनगणना की मांग हो या लागू करना हो, पिछड़े वर्गों को फायदा पहुंचाने की बजाय उसका असल मकसद राजनीतिक फायदा उठाना है। ऐसे में बेशक अखिलेश और उनका परिवार क्रीमी लेयर में आता हो,लेकिन वे भी अन्य पिछड़े वर्ग के हैं। बेहतर होता कि कांग्रेस अखिलेश के साथ पिछड़े वर्ग के नेता की ही तरह व्यवहार करती। कांग्रेस को कुछ राज्यों मसलन हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में जीत के बाद लगता है कि अब उसके लिए सत्ता की बयार बह रही है। लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकसभा चुनावों में राजस्थान की समूची सीटें भाजपा ने जीती, कर्नाटक में भी यही हाल रहा, हिमाचल में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ और मप्र में भी कांग्रेस के दो ही सांसद चुने गए।

साफ है कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर तब जनता ने भरोसा नहीं किया। लेकिन कांग्रेस जिस तरह अपने सहयोगी दलों की अनदेखी कर रही है, ऐसे में लगता नहीं कि वह चेत रही है। हाल ही में मोतीहारी स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में नीतीश ने जिस तरह भाजपा नेताओं व समर्थकों के प्रति दोस्ती का इजहार किया, उसे कांग्रेस के उनके प्रति व्यवहार का नतीजा बताया गया। कांग्रेस के प्रति आप भी आशंकित नजर आ रही है। ऐसे में सवाल है कि किस आधार पर कांग्रेस अगले आम चुनाव में अपने सहयोगी दलों का दिल से साथ हासिल कर पाएगी।

किसान को भी रास आयें पराली के समाधान

हरियाणा के किसी भी जिले में सांस लेने लायक शुद्ध हवा बची नहीं हैं। सबसे खतरनाक है हवा में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की मात्रा बढ़ना जिसमें सांस लेने से हृदय रोग, अस्थमा और जन्म के समय कम वजन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। विदित हो, केंद्र सरकार हर साल पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को मशीनें खरीदने और पराली निपटान संबंधी कार्य के लिए राज्यों को पैसा देती रही है। इस साल भी इस मद में 600 करोड़ का प्रावधान है।

पंकज चतुर्वेदी

अभी सुबह-शाम की हल्की-सी ठंड है लेकिन दिल्ली और उसके आसपास हवा का जहर होना शुरू हो गया है। इस हफ्ते ग्रेप का दूसरा पायदान लागू करने की नौबत आ गई। अकसर इसका ठीकरा पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलने वाली पराली पर फोड़ दिया जाता है। जबकि दिल्ली का दम घोटने में सबसे बड़ी भूमिका ट्रैफिक जाम और पूरे शहर में चल रहे निर्माण कार्यों से उड़ रही धूल की है। कारों का सम-विषम नियम, प्रदूषण सोख लेने वाले टॉवर के मामले के बाद पराली खेत में खत्म करने वाले रसायन के विज्ञापन भी खूब छपे लेकिन कुछ बदला नहीं। अभी आश्विन मास चल रहा है, लेकिन स्मोग के प्रकोप से समूचा हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश बेहाल है। अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या रिकार्ड तोड़ हो गई है। वहीं शरद पूर्णिमा का उजला चांद शायद ही इस बार आकाश में दिख पाए क्योंकि लाख दावों के बाद भी हरियाणा-पंजाब में पराली जलाना शुरू हो चुका है।

दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खराब श्रेणी व कुछ इलाकों में बहुत खराब श्रेणी में है। हरियाणा के किसी भी जिले में सांस लेने लायक शुद्ध हवा बची नहीं हैं। सबसे खतरनाक है हवा में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की मात्रा बढ़ना जिसमें सांस लेने से हृदय रोग, अस्थमा और जन्म के समय कम वजन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। विदित हो, केंद्र सरकार हर साल पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को मशीनें खरीदने और पराली निपटान संबंधी कार्य के लिए राज्यों को पैसा देती रही है। इस साल भी इस मद में 600 करोड़ का प्रावधान है। विडंबना है कि इन्हीं राज्यों से सबसे अधिक पराली का धुआं उठ रहा है। जाहिर है कि आर्थिक मदद, रासायनिक घोल, मशीनों से पराली के निपटान जैसे प्रयोग किसान को आकर्षित नहीं कर रहे या लाभकारी नहीं हैं। जरूरत किसान की व्यावहारिक दिक्कतें समझकर हल निकालने की है।

इस बार बारिश की अनियमितताओं के चलते धान की रोपाई देर से हुई। इसी के चलते पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में धान कटाई में एक -दो सप्ताह देरी हो रही है। किसान को अगली फसल के लिए खेत तैयार करने की जल्दी में है। वह मशीन से पराली निपटान में लगने वाले समय के लिए राजी नहीं और पराली जलाने को ही सरल तरीका मान रहा है। किसान का पक्ष है कि पराली का मशीन से निपटान इसे जलाने के मुकाबले महंगा विकल्प है। फिर अगली फसल के लिए इतना समय होता नहीं कि गीली पराली खेत में पड़ी रहने दें। यूं भी हरियाणा-पंजाब में कानूनन धान की रोपाई 10 जून से पहले नहीं की जा सकती है। भूजल अपव्यय रोकने के लिए यह रोक है।

धान फसल तैयार होने में करीब 140 दिन लगते हैं फिर काटने के बाद गेहूं बुआई के लिए किसान के पास इतना समय होता नहीं कि वह पराली निपटान कानून मुताबिक करे। जब तक हरियाणा-पंजाब में धान का रकबा कम नहीं होता, या खेतों में बरसाती पानी सहेजने को तालाब नहीं बनते और उस जल से धान रोपाई 15 मई से करने की अनुमति नहीं मिलती; पराली संकट से निजात संभव नहीं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रापिकल मेट्रोलोजी, उत्कल यूनिवर्सिटी, नेशनल एटमोस्फियर रिसर्च लेब के वैज्ञानिकों के संयुक्त समूह द्वारा जारी रिपोर्ट बताती है कि यदि खरीफ बुवाई एक माह पहले कर ली जाए तो राजधानी को पराली के धुएं से बचाया जा सकता है। यदि एक माह पहले किसान पराली जलाते भी हैं तो हवा तेज चलने के कारण घुटन के हालत नहीं होते व हवा में धुआं बह जाता है। यदि पराली का जलना अक्टूबर-नवंबर के बजाय सितंबर में हो तो स्मॉग बनेगा ही नहीं।

ज्यादातर किसान पराली निपटान की मशीनों पर सब्सिडी योजना को कारगर नहीं मानते हैं क्योंकि पराली निपटान मशीन खुले बाजार में सस्ती है जबकि सब्सिडी पर वही मशीन महंगी मिलती है। जाहिर है सब्सिडी बेमानी है। पंजाब और हरियाणा में पराली निपटान मशीनों के कस्टम हाइरिंग केंद्र भी खोले हैं जहां ये मशीनें वाजिब किराए पर मिलती हैं। इन मशीनों का किराया प्रति एकड़ 5,800 से 6,000 रुपये तक बढ़ जाता है जबकि पराली जलाने पर जुर्माना 2,500 रुपये ही लगता है। दरअसल, पराली जलाना रोकने की जो योजनाएं बनीं, वे कागजों-विज्ञापनों में तो लुभावनी हैं, लेकिन खेत में कारगर नहीं। जरूरत है, किसानों के साथ मिलकर व्यावहारिक पहलुओं को समझ इस समस्या के निराकरण के स्थानीय उपाय तलाशे जायें।

पूजा मुहूर्त

जो महिलाएं 01 नवंबर बुधवार को करवा चौथ का व्रत रखेंगी, उनको शाम में पूजा के लिए 1 घंटा 18 मिनट का शुभ समय प्राप्त होगा। करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 05 बजकर 36 मिनट से शाम 06 बजकर 54 मिनट तक है। करवा चौथ 2023 पर चंद्रमा पूजन और अर्घ्य का समय क्या है? करवा चौथ के दिन चंद्रोदय रात 08 बजकर 15 मिनट पर होगा। इस समय से आप चंद्रमा पूजन के साथ अर्घ्य दे सकते हैं। चंद्रमा को अर्घ्य देने पर व्रत पूरा होता है।

पारण समय

करवा चौथ व्रत का पारण चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद किया जाता है। पति के हाथों जल पीकर व्रत को पूरा करते हैं। 1 नवंबर को रात 08:15 बजे के बाद आप कभी भी पारण कर सकती हैं।

ना करें ये गलतियां

करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को मजबूत करने और अखंड सौभाग्य पाने का होता है। इसलिए इस दिन सोलह श्रृंगार जरूर करें। सोलह श्रृंगार न सिर्फ सुहाग का प्रतीक होता है बल्कि यह शुभता को भी दर्शाता है। बिना सोलह श्रृंगार के पूजा करने की गलती ना करें। करवा चौथ के दिन बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने का बड़ा महत्व है। लिहाजा इस दिन बड़े-बुजुर्गों का अपमान करने की गलती न करें, वरना विधि-विधान से पूजा करने के बाद भी उसका पूरा फल नहीं मिलेगा। करवा चौथ 2023 के दिन शुभ रंग पहनना चाहिए जैसे- लाल, हरे या पीले रंग। करवा चौथ के दिन नीले, काले या भूरे रंग के कपड़े पहनने की गलती ना करें। इन तीनों रंगों का संबंध शनि देव से है और करवा चौथ के दिन ये रंग पहनना आपके जीवन पर संकट ला सकता है। साथ ही वैवाहिक जीवन में समस्याएं पैदा कर सकता है। करवा चौथ के दिन सफेद रंग के कपड़े भी ना पहनें। करवा चौथ के दिन श्रृंगार के सामान का दान ना करें। ना ही इस दिन चांदी, दूध, दही या सफेद चावल दान करें।

करवा चौथ का व्रत
वैवाहिक समस्याएं होती हैं दूर

करवा चौथ व्रत को बहुत कठिन माना जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है करवा चौथ का व्रत रखने से पति की उम्र लंबी होती है और वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं। यदि वैवाहिक जीवन में तनाव या समस्याएं हों तो करवा चौथ का व्रत करने से वे दूर हो जाती हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। उस दिन कार्तिक संकष्टी चतुर्थी होती है, जिसे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करना और अर्घ्य देना जरूरी है। इसके बिना करवा चौथ का व्रत पूरा नहीं होता है। इस साल करवा चौथ पर 3 योग बन रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 06:33 बजे से प्रारंभ हो रहा है, जो अगले दिन प्रातः 04:36 बजे तक रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि को शुभ योग माना जाता हैं। इसमें किए गए कार्य सफल सिद्ध होते हैं। उस दिन प्रातःकाल से दोपहर 02 बजकर 07 मिनट तक परिघ योग है, उसके बाद से शिव योग प्रारंभ होगा, जो अगले दिन तक रहेगा। करवा चौथ के दिन मृगशिरा नक्षत्र सुबह से लेकर अगले दिन 2 नंवबर को सुबह 04:36 बजे तक है।

करवा चौथ की तिथि

इस बार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 31 अक्टूबर दिन मंगलवार को रात 09 बजकर 30 मिनट से प्रारंभ हो रही है। यह तिथि 01 नवंबर बुधवार को रात 09 बजकर 19 मिनट पर खत्म होगी। उदयातिथि और चतुर्थी के चंद्रोदय के आधार पर करवा चौथ व्रत 1 नवंबर बुधवार को रखा जाएगा। इस दिन व्रती को 13 घंटे 42 मिनट तक निर्जला व्रत रखना होगा। व्रत सुबह 06 बजकर 33 मिनट से रात 08 बजकर 15 मिनट तक होगा।

शिव योग ज्योतिषियों की मानें तो करवा चौथ पर अत्यंत लाभकारी शिव योग का निर्माण हो रहा है। इस शुभ योग का निर्माण दोपहर 02 बजकर 07 मिनट से शुरू हो रहा है, जो अगले दिन 2 नवंबर तक है। इस योग में करवा माता की पूजा-अर्चना करने से व्रती को कभी न नाश होने वाले फल की प्राप्ति होगी। इस समय में शुभ कार्य कर सकते हैं।

हंसना मना है

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी- जो तुम चाहो..प्रेमिका- रिंग? प्रेमी-ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंडितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लडते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंडित- क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंडित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इस साले ने चिकन में डाला ही क्यों?

हमने पटाई एक लड़की तो सोचा, हमारी लॉटरी निकल गयी, डेट पे बुलाया मिलने को तो, हाय रे फूटी किस्मत, वो राखी बांध के चली गयी।

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति- काश! मैं गणपति होता, तुम रोज़ मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता.. पत्नी: हा, काश तुम गणपति होते, मैं रोज़ लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता..!

कहानी | नाम जप की महत्ता

एक बार राजा एवं महामंत्री ने मार्ग में किसी ब्राह्मण को भीख मांगते देखा। राजा-यह क्या है? महामंत्री- महाराज! भूला हुआ है। राजा ने कहा- तो इस पण्डित को रास्ते पे लाओ। महामंत्री ने कहा-आ जायेगा पर समय लगेगा। कृपया तीन माह की अवधि दीजिये। शाम को महामंत्री ब्राह्मण के घर गया और ब्राह्मण से विद्वान होकर भीख मांगने का कारण पूछा। ब्राह्मण के बताने पर महामंत्री ने कहा, कल से प्रात: आप चार बजे जाग जायं और मेरे लिये दो घण्टे हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे नाम जप करें, शाम को एक स्वर्ण मुद्रा रोज आपके घर पहुंचा दी जायेगी। ब्राह्मण ने जप करना स्वीकार कर लिया। चार बजे उठने और नाम जप करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। रोज शाम को एक स्वर्ण मुद्रिका मिल जाने से धीरे-धीरे ब्राह्मण धनवान हो गया। एक दिन ब्राह्मण ने सोचा कि यदि महामंत्री के लिय नाम-जप ने धनाढ्य बना दिया तो स्वयं के लिये जपने से तो लोक और परलोक दोनो धनाढ्य हो ही जाएंगे। ऐसा सोच कर रोज दो घण्टे खुद के लिये जपने लगे। भगवान नाम की ऐसी कृपा हुई की ब्राह्मण की कामनाएं खत्म होने लगी और एक दिन ब्राह्मण ने महामंत्री से कहा- आप कृप्या सोने की मुद्रिका ना भेजें मैं अब केवल अपने लिये ही जप करूंगा। प्रभु नाम की उपासना ने मेरा विवेक एवं वैराग्य जाग्रत कर दिया, प्रभु भक्ति की लग्न लग गयी। एक दिन ब्राहमण ने पत्नी से कहा-ईश्वर कृपा से अपनी गरीबी दूर हो गयी। सब ठीक हो गया अब आप अनुमति दें तो मैं एकान्त में रहकर नाम जप साधना करना चाहता हूं। पत्नी साध्वी थी अत: उसने स्वीकृति दे दी। अब ब्राह्मण देवता सतत प्रभु स्मरण में रंग गये। साधना फलने फूलने लगी। लोग दर्शनार्थ पधारने लगे धीरे-धीरे बात राजा तक पहुंची तो राजा भी एक दिन महामंत्री के साथ महात्मा के दर्शन करने पधारे। वापिस लौटते समय राजा ने कहा: महात्मन मैं भारत का राजा आपसे प्रार्थना करता हूं, यदि आपको किसी चीज की जरूरत पड़े तो नि:संकोच संदेश भिजवाईयेगा, तत्काल मिलेगी। ब्राह्मण देवता मुस्कुराये ओर बोले: राजन आपके पास ऐसा कुछ नहीं जिसकी मुझे जरूरत हो। हां यदि आपको कुछ चाहिये तो मांगने में संकोच मत करना। महामंत्री ने कहा: राजन् आपने पहचाना इनको, ये वही ब्राह्मण हैं जो तीन माह पूर्व भीख मांग रहे थे। प्रभु नाम के जप ने एक भिखारी को सच्चा दाता बना दिया है। यह सुनकर राजा बड़े हैरान हुये। ये है नाम जप का प्रभाव जो भिखारी से सच्चा दाता बना दे।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवाने का प्लान बनायेंगे संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिलेगी।

वृषभ आज का दिन आपके लिए उन्नति भरा रहेगो नौकरी कर रहे जातकों को सुझावों का आज उनके कार्यक्षेत्र में स्वागत होगा, जिसके कारण उनके मन में प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन व्यापार में साझेदारों की गतिविधियों पर नजर रखें निवेश सोच समझकर करें व्यवसाय से जुड़े लोगों को आज कोई बड़ा सौदा हाथ लग सकता है।

कर्क समय पर किया कार्य आपको लाभ करायेगा। पारिवारिक जीवन सौहार्दपूर्ण रहेगा। कपड़े का व्यापार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होने वाला है।

सिंह आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को अपने अधिकारियों से वाद विवाद में नहीं पड़ना है।

कन्या आज शत्रुओं तथा प्रतिस्पर्धियों की वजह से परेशानी हो सकती है। आपके साथी और ऑफिस के कलीग्स आपका पूर ससर्थन करेंगे।

तुला आज विवाहित लोग अपने घरेलू जीवन से नाखुश रहेंगे। इससे बचने के लिए उन्हें अपने जीवनसाथी से बात करने की कोशिश करनी चाहिए।

वृश्चिक आज आपको अपने किसी भी कार्य को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना हे और आज आप को अपने आलोचकों की आलोचनाओं की ओर भी ध्यान नहीं देना हे।

धनु आज आप जिस कार्य में भी हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता और धन की प्राप्ति होगी। पुरानी टेंशन खत्म हो जाएगी, खुद पर ध्यान देंगे।

मकर आज अगर आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद लेनी चाहिए। लवमेट्स के लिए दिन अच्छा है।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आपको एक के बाद एक शुभ सूचना प्राप्त होती रहेंगी, जिसके कारण आपका मंगल ही मंगल होगा।

मीन आज किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें अतिरिक्त काम का बोझ मानसिक और शारीरिक दोनों ही रूप से थका सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे जेल में सबके सामने कर दिया गया था नग्न : राज कुंद्रा

बिजनेसमैन राज कुंद्रा अपनी आने वाली फिल्म यूटी 69 के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म उनके वास्तविक जीवन की कहानी दिखाएगी। यूटी 69 राज कुंद्रा के एडल्ट फिल्में बनाने के मामले में गिरफ्तार होने के बाद जेल में उनके जीवन के अनुभव पर आधारित है। अभिनेता ने हाल ही में जेल की उस अपमानजनक घटना को याद किया, जब उन्हें सबके सामने नग्न कर दिया गया था। हाल ही में दिए इंटरव्यू में राज कुंद्रा ने जेल में सबके सामने निर्वस्त्र किए जाने की घटना को याद किया। उन्होंने कहा, यह अपमानजनक है, क्योंकि वे आपको नग्न ही कर देते हैं। यह जांचा जा रहा है कि आप अपनी पीठ पर कोई नशीला पदार्थ तो नहीं ले जा रहे हैं। ऐसे में इसकी जांच करके वे आपको निर्वस्त्र कर देंगे। सबके सामने नीचे गिरना, ताकि आपको ऐसा महसूस हो कि जब ऐसा होता है तो आपने अपनी सारी गरिमा खो दी है। आपको ऐसा लगता है कि आप पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं, अब यहां पे भी नग्न कर रहे हैं। मीडिया तो कपड़े उतार ही रही थी। ऊपर से ये सब भी हो गया तो मुझे बहुत निराशा और दुख महसूस हुआ। उन्होंने जेल में अपने दिनों के बारे में भी बताया और खुलासा किया कि कैसे उन्हें एक सामान्य बैरक में रखा गया था। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन एक साहसिक कार्य लेकर आता है और दो घंटे की यूटी-69 फिल्म उनके सभी अनुभवों से भरी हुई है। जेल में उन्होंने 63 दिन बिताए और हर दिन उन्हें एक नया अनुभव मिला है, जिसे फिल्म में दिखाया गया है। राज कुंद्रा ने यह भी याद किया कि कैसे गिरफ्तार होने पर उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी और बच्चों पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि आपको मुझसे समस्या है, आप मुझसे बात करें, मेरे बारे में बात करें। आपको इसमें मेरी पत्नी को लाने की जरूरत नहीं है। मेरे बच्चे इसमें थे और मेरे परिवार को इसमें शामिल किया गया। यह बहुत दुखद था। शाहनवाज अली के निर्देशन में बनी यूटी-69 राज कुंद्रा की बायोपिक है, जिसमें राज कुंद्रा ने खुद मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था, जिसमें मुंबई की आर्थर रोड जेल में राज कुंद्रा के अनुभव और जेल में रहने के दौरान उनकी आश्चर्यजनक दोस्ती की झलक दिखाई गई थी।

अब बड़े पर्दे पर नजर आएगी लालू प्रसाद यादव की राजनीति!

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक कुशल राजनीतिज्ञ होने के चलते अपने राजनीति करियर में उन्होंने अच्छों-अच्छों को धूल चटाई है। उनका मजाकिया अंदाज या राजनीति में उनके दाव पेंच सभी में उनका एक अलग ही अंदाज है। आसान भाषा में कहें को वह हर चीज में माहिर हैं। खबर आ रही है कि अब लालू प्रसाद यादव के जीवन पर एक फिल्म बनने जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रीय जनता पार्टी ने खुद इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच-छह महीनों से लालू प्रसाद यादव को लेकर बन रही फिल्म पर काम हो रहा है। वहीं एक करीबी सूत्र के मुताबिक, यादव फैमिली से फिल्म बनाने के राइट्स लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि प्रकाश झा के प्रोडक्शन हाउस तले इस फिल्म को बनाया जा रहा है।

इसके साथ फिल्म को लेकर यह भी खबर सामने आ रही है कि तेजस्वी प्रसाद इस फिल्म में पैसा लगा रहे हैं। लालू प्रसाद यादव की बायोपिक के लिए तेजस्वी ने पैसा भी दे दिया है। वहीं जब प्रकाश झा से इस बारे में सवाल किया गया तो वह जोर से हंसने लगे। वहीं, ऋष्ठ के स्पोकपर्सन चितरंजन गगन से इस फिल्म के बारे में पूचा गया तो उन्होंने कहा, अगर फिल्म बन रही है तो यह अच्छी बात है। हमारे देश के लोगों को लालू प्रसाद यादव के जीवन के बारे में जानने की दिलचस्पी रखते हैं। पहले भी उनपर कई सारी किताबें और फिल्मे बनी हैं।

फिल्म के नाम को लेकर हो रही चर्चा

वहीं, फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, हिंदी सिनेमा से ही फिल्म की कास्टिंग होगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगले वर्ष सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं, फिल्म के नाम को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव की बायोपिक का नाम लालटेन रखा जाएगा। बता दें कि उनके राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह लालटेन है।

लंदन में सम्मानित होंगी ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना भले ही बड़े पर्दे से दूर हों, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। ट्विंकल खन्ना निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में अपने दोस्त और फिल्म निर्माता करण जौहर को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे।

अभिनेत्री से लेखिका बनीं ट्विंकल खन्ना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय से कथा लेखन में मास्टर डिग्री पूरी करने और कवानाघ पुरस्कार मिलने की बात कही। साथ ही, फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में कलाकारों की गलत कास्टिंग को लेकर निर्माता करण जौहर के बारे में बातचीत भी की।

अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा कि यह मेरे लिए काफी बड़ा लम्हा है। पहले मैं इसे साझा करने से झिझक रही थी। हालांकि, इससे पता चलता है कि उम्र वास्तव में सिर्फ एक संख्या है और यह आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने में रुकावट नहीं डाल सकती। मुझे अपने अंतिम शोध के लिए डिग्री मिली, जिसे अब गोल्डस्मिथ्स लंदन विवि द्वारा पैट कवानाघ पुरस्कार के लिए भी सूचीबद्ध किया गया है। इस मौके पर मैं यह कहना चाहूंगी कि शायद मेरे पुराने दोस्त ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर में गलत कलाकारों को कास्ट किया था।

पति अक्षय कुमार ने दी बधाई

अभिनेत्री ने पोस्ट में एक लेटर की तस्वीर भी साझा की, जिसमें लिखा है कि उनके पोर्टफोलियो को पैट कवानाघ अवॉर्ड के लिए रखा गया है, जो हर साल गोल्डस्मिथ्स एमए इन क्रिएटिव एंड लाइफ राइटिंग प्रोग्राम में बेहतरीन काम के लिए दिया जाता है। बता दें कि अक्षय कुमार ने एक रील साझा कर ट्विंकल को मास्टर डिग्री पूरी करने की बधाई दी।

अजब-गजब | कोहिमा की इस जगह पर चलता है ब्रिटिश सरकार का राज

यहां निर्माण के लिए ब्रिटिश सरकार से लेनी पड़ती है इजाजत

भारत को जब 1947 में अंग्रेजों से आजादी मिली, तो देश पूरी तरह से स्वतंत्र बन गया था। देश को आजाद कराने में कई वीरों का योगदान था। जब आजादी मिली, तो देश पूरी तरह से अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हो चुका था। आज भी हम निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं, पर सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा है कि भारत में एक ऐसी भी जगह है, जहां निर्माण कार्य के लिए ब्रिटिश सरकार की इजाजत लेनी पड़ती है। एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इससे जुड़ा सवाल पूछा गया है। तो क्या ये वास्तव में सच है? चलिए देखते हैं लोगों ने क्या दिया जवाब। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर रोचक सवाल पूछे जाते हैं, जिनका जवाब भी काफी रोचक होता है। बस ध्यान देने वाली बात ये है कि अक्सर या तो सवाल गलत होते हैं, या फिर उनके जवाब गलत होते हैं। ऐसे में उन सवालों या जवाबों की पुष्टि नहीं की जा सकती। कोरा पर कुछ वक्त पहले किसी ने सवाल किया- भारत में ऐसी कौन सी जगह है जहां आज भी निर्माण कार्य करने से पहले लेनी होती है ब्रिटिश सरकार से इजाजत? अब चूंकि देश आजाद है, ऐसे में ये सवाल सही है या नहीं, इसपर हम पूरी तरह टिप्पणी नहीं कर सकते। चलिए आपको बताते हैं कि लोगों ने क्या उत्तर दिया। राहुल गिरि नाम के व्यक्ति ने कहा- आजाद भारत होने के

बाद भी एक ऐसी जगह है, जहां एक छोटे से निर्माण कार्य के लिए भी आपको ब्रिटिश सरकार की इजाजत लेनी होती है। मतलब ये हुआ कि भारतीय होने के बावजूद आप भारत की धरती में ही ये सब कार्य नहीं कर सकते। इसके लिए आपको पहले ब्रिटिश सरकार के पास आवेदन करना होगा। मंजूरी मिली तो ठीक अन्यथा इंतजार करिए। यह जगह नागालैंड की राजधानी कोहिमा है। कोहिमा की इस खास जगह पर आज भी ब्रिटिश सरकार राज करती है। इस जगह को हम 'Kohima War Cemetery' के नाम से जानते हैं।

चलिए आपको बता देते हैं कि जिस कोहिमा वॉर सिमेट्री की चर्चा हो रही है, वो असल में क्या है। दृष्टि आईएएस वेबसाइट के अनुसार Commonwealth War Graves Commission एक छह सदस्य देशों का अंतरसरकारी संगठन है जिसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। इनका काम ये देखना है कि युद्ध में जो लोग मारे गए हैं, उन्हें हमेशा याद रखा जाए। इसका हेडक्वार्टर यूके में है। यही संगठन उन कब्रिस्तानों की देखरेख करता है जहां पहले और दूसरे विश्वयुद्ध के शहीद दफन हैं। नागालैंड के कोहिमा में भी विश्वयुद्ध से जुड़ा कब्रिस्तान है जिसे कोहिमा वॉर सिमेट्री कहते हैं। ये संभवतया दुनिया का पहला ऐसा कब्रिस्तान है जिसमें टेनिस कोर्ट है।

यूपी का एक गांव ऐसा भी! जहां 35 साल में नहीं दर्ज हुआ कोई एफआईआर

शाहजहांपुर का एक ऐसा गांव जहां पिछले 35 वर्षों में किसी व्यक्ति ने थाने में कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई है। इस गांव में अगर कोई भी आपसी विवाद होता है तो उसको गांव के पंचों द्वारा बैठकर उसका निस्तारण कर दिया जाता है। गलती करने वाले व्यक्ति से माफी मंगवाने के बाद दोनों पक्ष एक दूसरे के गले मिलते हैं और विवाद खत्म हो जाता है। विकासखंड क्षेत्र भावलखेड़ा की ग्राम पंचायत नियामतपुर में पिछले 35 सालों से एक ही परिवार से ग्राम प्रधान चुनकर आ रहा है। यह परिवार किसी और का नहीं बल्कि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव का है। यहां 1988 में वीरेंद्र पाल सिंह यादव पहली बार निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने गए थे। उसके बाद दो बार उनकी पत्नी लज्जावती यादव और फिर तीन बार उनकी पुत्र वधू ममता यादव ग्राम प्रधान चुनकर आई तो वहीं मौजूदा समय में अब उनका छोटा बेटा अभय प्रताप सिंह यादव ग्राम प्रधान है। इस ग्राम पंचायत में नियामतपुर, बिजलीखेड़ा और नगरिया बहाव गांव शामिल है। इस ग्राम पंचायत की कुल आबादी 2000 है। जिसमें से 1100 लोग ग्राम प्रधान चुनने के लिए मतदान करते हैं। पूर्व ग्राम प्रधान और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने लोकल 18 को जानकारी देते हुए बताया कि उनकी ग्राम पंचायत के लोग आपसी मेल-जोल और सद्भाव के साथ रहते हैं। अगर किसी बात को लेकर कोई विवाद हो जाए तो कोई भी पक्ष थाने नहीं जाता बल्कि गांव में ही बैठकर पंचों द्वारा फैसला कर दिया जाता है। जिसकी गलती सामने आती है। वह पंचों के सामने दूसरे पक्ष से माफी मांग लेता है और गले मिलकर विवाद को खत्म करा दिया जाता है। वीरेंद्र पाल सिंह का कहना है कि 1988 से लेकर आज तक किसी भी ग्रामीण ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई है। वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने बताया कि इस गांव में सभी लोग आपसी मेलजोल और सद्भाव के साथ रहते हैं। यहां गांव में एक ही जगह होली जलाई जाती है। सभी लोग एक साथ होली में आखत डालने के लिए जाते हैं। इसके अलावा होली के मौके पर कोई भी ग्रामीण कोई नशा नहीं करता। होली बड़े ही भव्य तरीके से मनाया जाता है। गांव में सभी लोग एक दूसरे के यहां होली मिलने जाते हैं। वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने बताया कि समय-समय पर वह ग्रामीणों के साथ बैठकर एक चौपाल लगाते हैं। इस दौरान वह लगातार लोगों से अपील करते हैं कि सभी लोग आपसी मेलजोल और सद्भाव के साथ मिलकर रहें ताकि गांव में खुशहाली और तरक्की आए। वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने बताया कि 1988 में जब वह पहली बार निर्विरोध ग्राम प्रधान चुनकर आए थे। इस दौरान उन्होंने ठान लिया था कि गांव में रामराज्य स्थापित करना है। वीरेंद्र पाल सिंह यादव का कहना है कि वह इसमें कामयाब भी हुए हैं। रामराज्य को स्थापित करने के लिए ग्रामीणों का भी खास सहयोग रहा है। उनका कहना है कि अगर गांव में कोई समस्या होती है तो वह गांव का मुखिया होने के नाते जो भी फैसला पंचों के साथ मिलकर करते हैं। गांव के लोग उसको सर माथे मानते हैं। वीरेंद्र पाल सिंह यादव का कहना है कि उनकी इच्छा है कि गांव में राम राज्य कायम रहे और गांव के लोग तरक्की करें।

सरकार के सुरक्षा के दावे हुए हवा-हवाई : खरगे

विजयनगरम रेल हादसे में यात्रियों की मौत पर जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में हुए रेल हादसे में कई लोगों की मौत पर सोमवार को दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। खरगे ने आरोप लगाया कि बालासोर ट्रेन हादसे के बाद सरकार ने सुरक्षा के जो दावे किए थे, वे हवा हो गए हैं। उन्होंने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो उत्साह नयी रेल गाड़ियों को हरी झंडी दिखाने और प्रचार करने में दिखाया जा रहा है, वह यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने में भी दिखाया जाना चाहिए।

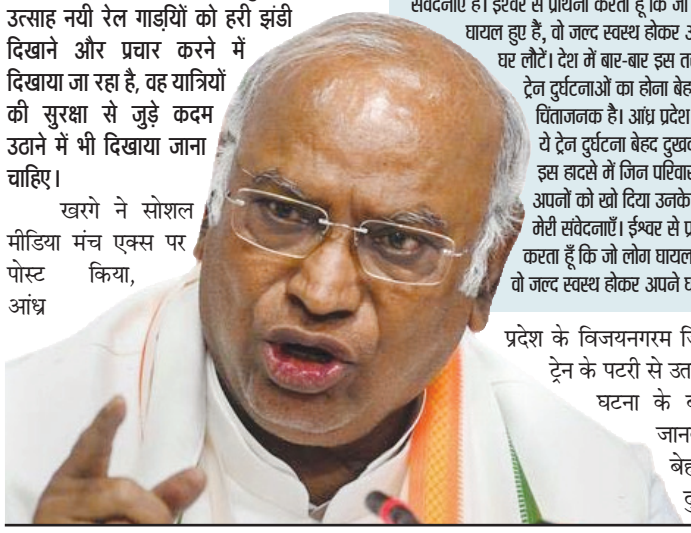

खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना के बारे में जानकर बेहद दुख हुआ। हादसे में बहुमूल्य जिंदगियां चली गई और कई लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ट्रेन हादसे में हुई लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया तथा स्थिति का जायजा लेने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की।

बार-बार रेल दुर्घटनाएं होना चिंताजनक : केजरीवाल

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। मृतक के परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि बीते दिन आंध्र प्रदेश में हुआ ट्रेन दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया। उनके साथ मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, वो जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। देश में बार-बार इस तरह की ट्रेन दुर्घटनाओं का होना बेहद चिंताजनक है। आंध्र प्रदेश में हुई ये ट्रेन दुर्घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया उनके साथ मेरी संवेदनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि जो लोग घायल हुए हैं वो जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटें।

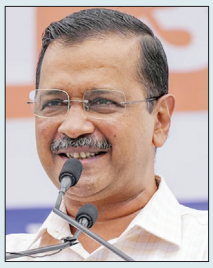

वहीं दूसरी तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से भी बयान जारी किया गया। बयान में पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की। उन्होंने अलामांडा और कांतकपल्ले खंड के बीच दुर्भाग्यपूर्ण ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस बीच प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार की रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया गया।

आंध्र प्रदेश रेल हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत

33 ट्रेनें रद्द, कई के रूट्स में किया गया बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में हावड़ा-चेन्नई लाइन पर रविवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है जबकि 50 लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक एम दीपिका ने सोमवार को यह जानकारी दी। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में हावड़ा-चेन्नई लाइन पर रविवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है जबकि 50 लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक एम दीपिका ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे और विजयनगरम में इलाज करा रहे घायलों से भी मुलाकात करेंगे। पूर्वी तटीय रेलवे (ईसीआर) के अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम सात बजे के आसपास विशाखापत्तनम से लगभग 40 किलोमीटर दूर कांतकपल्ले में पलासा पैसेंजर ट्रेन ने रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के लोकोमोटिव पायलट और पलासा ट्रेन के एक गार्ड की भी हादसे में मौत हो गयी। ईसीआर के मंडलीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) सौरभ प्रसाद ने गार्ड की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान भी जारी है और रास्ता साफ करने का अभियान भी चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने किया मुआवजे का ऐलान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताते हुए अधिकारियों को, जान गंवाने वाले राज्य के लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और घायलों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया।

सोनिया-मनमोहन के 10 साल और मोदी के नौ साल पर कांग्रेस कर लें बहस : शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें जनता अपना मत प्रकट करेगी। इस चुनाव में आपके सामने दो ही विकल्प हैं। एक तरफ कांग्रेस पार्टी है, जिसने प्रदेश का बंटाधार कर दिया था। उसे बीमारू राज्य बना दिया था। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी है, जिसने अपने 18 साल के शासन में प्रदेश के कोने-कोने में विकास किया है। आप विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट मत दीजिए। आपका एक वोट मध्य प्रदेश और देश का भविष्य तय करने वाला है। यह बात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उज्जैन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

बता दें कि शाह तीन दिवसीय दौरे पर मप्र पहुंचे हैं। उन्होंने शिवराज सरकार के कामों का गुणगान किया। भाजपा की सरकार ने उसे बढाकर 3,15000 करोड़ तक पहुंचाया। उस समय शिक्षा का बजट 2456 करोड़ हुआ करता था, जिसे भाजपा की सरकार ने 38000 करोड़ तक पहुंचाया। तब प्रति व्यक्ति सालाना आय 11 हजार रुपये होती थी, जिसे भाजपा की सरकार ने 1.40 लाख तक पहुंचाया। शाह ने कहा कि बंटाधार की सरकार मध्यप्रदेश में 60 हजार किलोमीटर टूटी-फूटी सड़कें छोड़कर गई थी, जिन्हें भाजपा की सरकार ने 5,10,000 किलोमीटर तक पहुंचाया है।

भेदभाव की राजनीति नहीं होना चाहिए : रॉबर्ट वाड्रा

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के पति व उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा इंदौर पहुंचे। यहां से वे महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन रवाना हुए। विमानतल पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा ने उनका स्वागत किया। वाड्रा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे देश व परिवार की खुशहाली के लिए महाकाल के दर्शन करने के लिए आए है और यह उनका धार्मिक दौरा है। राजनीति के मुद्दे पर वे बोले की देश में भेदभाव की राजनीति नहीं होना चाहिए। मध्य प्रदेश में कांग्रेस भाजपा को भारी बहुमतों से हराएगी।

फिलिस्तीन व भारत की नींव मजबूत : वशिष्ठ

» राजदूत अदनान से मिले ओवरसीज कांग्रेस के सचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अदनान अबू अलहैजा से एकजुटता दिखाते हुए मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के साथ हमारी नींव पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के युग से लेकर सभी प्रधानमंत्रियों तक रही और यही कारण था कि सरकार को पहले अपना बयान बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि अहिंसा और शांति ही समाधान खोजने का एकमात्र तरीका है और हम आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति का भी पालन करते हैं।

सूर्य प्रकाश, ज्योति चौधरी और सुधांशु बरनवाल अव्वल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत विकास परिषद्, अवध प्रांत की गोमती विस्तार शाखा, लखनऊ की भारत को जानों, शाखा स्तरीय प्रतियोगिता गत 28 अक्टूबर को संपन्न हुई, इस प्रतियोगिता में सूर्य प्रकाश (विहंगम पब्लिक स्कूल) कनिष्ठ वर्ग में तथा वरिष्ठ वर्ग में ज्योति चौधरी और सुधांशु बरनवाल (वरदान इंटरनेशनल एकेडमी, गीतापुरी, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विंग कमांडर डॉक्टर अनिल कुमार, डिप्टी प्रोवाइसचांसलर, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ रहे ।

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में गोमती विस्तार शाखा की भारत को जानों की संयोजिका श्रीमती राधिका बिष्ट, सचिव बीना बिष्ट, कोषाध्यक्ष डॉ निधि अस्थाना, रेनू, सुनीता सिंह, कविता गुप्ता, बीना जोशी, आशा धोनी, विम्मी, सुमन, राजेंद्र बडोला, संजय सिंह का सराहनीय योगदान रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी टीमों के स्कोर की गणना करवाने में रमेश सिंह एवं के एन आर्या जी एवं श्री प्रकाश जी का ऑडियो विजुअल राउंड करवाने में सराहनीय योगदान रहा है। इस कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानित अतिथिगण मुकेश जैन , श्रीमती अमिता जैन, टीएन मिश्रा, अनिल श्रीवास्तव की उपस्थिति प्रशंसनीय एवं उत्साहवर्धक रही।

भारत को जानों, शाखा स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

इकाना में टीम इंडिया ने लगाया जीत का छक्का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रोहित शर्मा की बल्लेबाजी और शमी, बुमराह और कुलदीप की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने गत चैंपियन टीम इंग्लैंड को 100 रन से मात दी। इसके साथ ही भारत ने वर्ल्ड कप 2023 में अपनी जीत का सिक्स लगाया है। जबकि इंग्लैंड की ये पांचवीं हार है। वहीं भारतीय टीम सेमीफाइनल के करीब पहुंच गई है। मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 229 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.5 ओवर में 129 रन पर ही सिमट गई। इस दौरान इंग्लैंड के लिए लियाम लिविंगस्टोन ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। बेन स्टोक्स और जो रूट डक आउट हुए। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने चार जसप्रीत बुमराह ने 3 और कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके। जबकि रविंद्र जडेजा ने एक विकेट झटका। वहीं भारतीय पारी की बात करें तो, शुरुआत कुछ खास नहीं। टीम ने 12 ओवर के अंदर ही शुबमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर का विकेट गंवा दिया। जिसके बाद पहले पावरप्ले में दो विकेट के नुकसान पर भारत का स्कोर महज 35 रन थे। इसके बाद कप्तान रोहित और केएल राहुल के बीच तीसरे विकेट के लिए 91 रन की अहम और शानदार साझेदारी हुई। इस दौरान केएल राहुल 58 गेंद में 39 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन रोहित शर्मा अच्छी पारी खेलकर टीम को अच्छी स्थिति में ले गए। लेकिन वो अपने शतक से चूक गए।

विश्वकप: भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया सेमीफाइल की राह हुई आसान

रोहित ने धोनी और कोहली को पछाड़ा

रोहित शर्मा ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मुकाबले में 101 गेंदों में 87 रन की अहम पारी खेली। वहीं इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 3 छक्के जड़े। हालांकि, रोहित अपने शतक से चूक गए थे। रोहित ने अपनी 87 रन की पारी की बदौलत अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18 हजार रन पूरे किए हैं। इस मामले में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली ही ऐसा कर चुके हैं। इसके साथ ही रोहित ने वर्ल्ड कप 2023 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। दूसरी ओर रोहित शर्मा वर्ल्ड कप 2023 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। रोहित किसी एक वर्ल्ड कप में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने एमएस धोनी और विराट कोहली को पछाड़ा है। इसके अलावा रोहित ने साल 2023 में एक हजार वनडे इंटरनेशनल रनों का आंकड़ा भी छू लिया है।

यूपी में स्वास्थ्य विभाग के आगे पूर्व सांसद भी लाचार

बेटे को नहीं मिला इलाज, बेड खाली न होने से गंवाई जान, अस्पताल के रवैये से इंसानियत शर्मसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी लचर हो गई सत्तारुढ़ पार्टी के पूर्व सांसद के बेटे तक को बेड नहीं मिलने से जान से हाथ धोना पड़ गया। प्रदेश के सीएम व स्वास्थ्य मंत्री जब अपनी पार्टी के पूर्व सांसद की जान नहीं बचा रहे तो आम जान को क्या बचा पाएंगे। उधर इस घटना के बाद विपक्षी नेताओं ने योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह मामला किसी जिला अस्पताल का नहीं प्रदेश के सबसे बड़े व विश्वस्तरीय अस्पताल पीजीआई का है।

दरअसल, पीजीआई में इलाज नहीं मिलने से बांदा के पूर्व भाजपा सांसद भैरों प्रसाद मिश्र के बेटे की मौत हो गई। गुर्दे की बीमारी से जूझ रहे बेटे प्रकाश मिश्र (42) को शनिवार रात वह गंभीर हालत में लेकर आए थे। इमरजेंसी में बेड नहीं खाली होने की बात कहकर प्रकाश को भर्ती नहीं किया गया। पूर्व सांसद बेटे को स्ट्रेचर पर लिटाकर करीब डेढ़ घंटे तक डॉक्टरों की मिन्नतें करते रहे। इसी बीच प्रकाश की सांस उखड़ गई। बेटे की मौत के बाद पूर्व सांसद इमरजेंसी में

मृतक प्रकाश मिश्र

धरने पर बैठ गए। मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। चित्रकूट निवासी भैरों प्रसाद मिश्रा बांदा संसदीय क्षेत्र से वर्ष 2014 में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते थे। उनका बेटा प्रकाश गुर्दे की बीमारी से जूझ रहा था। प्रकाश का इलाज पीजीआई से ही चल रहा था। हालत बिगड़ने पर शनिवार रात करीब 11 बजे वह बेटे को लेकर पीजीआई की इमरजेंसी में पहुंचे। पर, वहां तैनात डॉक्टरों ने बेड खाली नहीं होने की बात कहकर भर्ती करने से इन्कार कर दिया।

पूर्व सांसद डॉक्टरों से मिन्नतें करते रहे

इमरजेंसी के अंदर पहुंचकर भी इलाज नहीं मिलने से प्रकाश की सांसें उखड़ने लगीं। बेटे की दशा देख पूर्व सांसद डॉक्टरों के आगे गिड़गिड़ाते रहे। मिन्नतें करते रहे। हाथ भी जोड़े। पर, डॉक्टर नहीं पसीजे। मरीज को हाथ भी नहीं लगाया। आखिर प्रकाश की स्ट्रेचर पर पड़े-पड़े ही मौत हो गई।

पूर्व भाजपा सांसद भैरों प्रसाद मिश्र

बनाई गई तीन सदस्यीय जांच कमेटी

निदेशक ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी में संस्थान के सीएमएस डॉ. संजय धीराज, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीके पालीवाल व इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. आरके सिंह को शामिल किया गया है। कमेटी सोमवार को जांच रिपोर्ट सौंपेगी। निदेशक ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

धरने पर बैठे मृतक के पिता

बेटे की मौत से आहत पूर्व सांसद इमरजेंसी में धरने पर बैठ गए। मामले की जानकारी पीजीआई प्रशासन को हुई। देर रात पीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन सीएमएस डॉ. संजय धीराज के साथ इमरजेंसी पहुंचे। पूर्व सांसद ने इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (ईएमओ) पर बेटे को भर्ती नहीं करने का आरोप लगाया। निदेशक ने उन्हें दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद मिश्र धरने से उठे और शव लेकर घर चले गए। निदेशक ने इमरजेंसी में घटना के समय तैनात रहे ईएमओ, एपीआरओ समेत अन्य स्टाफ को तलब किया। उन्होंने इमरजेंसी में भर्ती मरीजों का ब्योरा भी तलब किया। सभी से पूछताछ के बाद निदेशक ने ईएमओ को फटकार भी लगाई।

भाजपा विधायक के बयान पर बवाल

किसानों के बीच न होते राकेश टिकैत तो होता एनकाउंटर : नंदकिशोर गुर्जर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। लोनी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर का एक और विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने तीन कृषि कानूनों के विरोध में एक साल तक चले आंदोलन के संदर्भ में कहा कि यदि भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत किसानों के बीच नहीं होते तो उनका एनकाउंटर हो जाता।

उन्होंने कहा कि मुगलों व अंग्रेजों के बाद टिकैत ने देश को गुलाम बनाने का काम किया था। एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि अगर तीनों कृषि कानून लागू रहते तो किसानों की जिंदगी बदल जाती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस बिल को लेकर आए थे उससे किसान आढ़तियों से मुक्त हो जाता। बीजेपी विधायक के अनुसार, राकेश टिकैत ने किसानों के साथ धोखा किया। उनको इतिहास में काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। टिकैत ने खालिस्तानियों और आढ़तियों के साथ मिलकर जो कुकृत्य किया है, उसे देखते हुए आने वाले दो साल में किसान उन्हें गांव में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि टिकैत ने खालिस्तान का झंडा फहराया, तिरंगा उतारा। देश को तीसरी बार गुलाम बनाया। बहन-बेटियों को उठाकर फेंका गया। इतना घृणित कार्य देश के इतिहास में किसी ने नहीं किया। अगर राकेश टिकैत किसानों के वेष में नहीं होते और किसानों के बीच में नहीं होते तो निश्चित रूप से उनका एनकाउंटर हो जाता।

बेंगलुरु के वीरभद्र नगर में भीषण आग से कई बसें जलकर हुई खाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु में आज यानी सोमवार को वीरभद्र नगर के पास एक गैरेज में भीषण आगजनी की घटना सामने आई है, यहां गैरेज के पास कई बसों में लगी आग गई, जिससे कई बसें जलकर खाक हो गई, फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है और आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

आशंका जताई जा रही है कि आग वीरभद्र नगर के पास स्थित गैराज से शुरू हुई, इस घटना के कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, इसके साथ ही अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बसें गैरेज में खड़ी थीं, हमारे दमकलकर्मी मौके पर हैं और आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं, आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। सोशल मीडिया पर इस घटना का फोटो और वीडियो सामने आया है. जिसमें पांच-छह बसें धू-धू करके जलती नजर आ रही हैं, वहीं, आग की तेज लपटों के साथ काले धुएं के गुब्बारे आसमान की तरफ उठते नजर आ रहे हैं।

स्कूल बस और वैन भिड़ी, चार बच्चों समेत पांच की मौत

» बदायूं में हुआ दर्दनाक हादसा, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के म्याऊं थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें स्कूल बस ड्राइवर और चार बच्चों की मौत हो गई। हादसे में 15 से अधिक बच्चे घायल बताए गए हैं। कई बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की संख्या की बढ़ सकती है। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक, हादसा बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस और स्कूल वैन की टक्कर होने की वजह से हुआ है।

जानकारी मिलते ही डीएम मनोज कुमार और एसएसपी डॉ. ओपी सिंह प्रशासनिक अमले के साथ घटनास्थल पहुंच गए। डीएम ने बताया कि म्याऊं थाना क्षेत्र में स्कूल बस और वैन की टक्कर हुई है। हादसे में अभी बस चालक और

चार छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है। 16 छात्र घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बच्चों के बेहतर उपचार के लिए चिकित्सकों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, एक छात्रा को भी मृत घोषित कर दिया गया है। जवाहर नगला म्याऊं उसावां मार्ग स्थित सत्यदेव विद्या पीठ इंटर कॉलेज की बस और एसआर पब्लिक स्कूल गौतरा की वैन गांवों से बच्चों को लेकर जा रही थी। नवीगंज के पास स्कूल बस और वैन की तेज टक्कर हो गई। हादसा होते ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

महाराष्ट्र में भड़की मराठा आरक्षण की आग

आंदोलनकारियों ने एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके के घर को फूंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीड (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा अब काफी गरमा गया है। इसकी चपेट से अब विधायक भी नहीं बच पाए हैं। मराठा आरक्षण आंदोलनकारियों ने बीड जिले में स्थित एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके के आवास में आग लगी दी।

जानकारी के अनुसार, डिप्टी सीएम अजित पवार के गुट के विधायक प्रकाश सोलंके के घर पर आंदोलनकारियों ने पहले पथराव किया। इसके बाद उन्होंने आवास पर तोड़फोड़ करते हुए वहां आग लगा दी। विधायक प्रकाश सोलंके ने बताया कि जब उनके घर पर

आंदोलनकारियों की भीड़ ने हमला किया। उस समय वह अपने घर के अंदर ही मौजूद थे। उन्होंने कहा कि इस घटना के दौरान मेरे परिवार का कोई भी सदस्य या कर्मचारी घायल नहीं हुआ। हम सभी सुरक्षित हैं, लेकिन आगजनी के कारण संपत्ति को नुकसान हुआ।

अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को दी 31 दिसंबर की समय सीमा

महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने एक अभूतपूर्व कदम उठते हुए बड़ा फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को 31 दिसंबर तक अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने का स्पष्ट निर्देश दिया है, कोर्ट ने कहा,कि हम नहीं चाहते कि मामला अगले चुनाव तक लटका रहे। अगर स्पीकर सुनवाई नहीं कर सकते तो हम करेंगे। हमने बार-बार स्पीकर से फैसला लेने के लिए कहा है। महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा दखल देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र स्पीकर के लिए समय सीमा तय कर दी है। सीएम एकनाथ शिंदे और उनके गुट के 33 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका पर 31 दिसंबर तक फैसला देने का निर्देश कोर्ट ने स्पीकर को दिया है। साथ ही एनसीपी मामले में 31 जनवरी तक फैसला करने का निर्देश दिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।